कृपया प्रकाशनार्थ **23 जून 2009**

भाजपा नेता व पूर्व रेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री. राम नाईक ने 23 जून 2009 को मुंबई में संयुक्त पत्रकार परिषद में जारी किया वक्तव्य

मुंबई, मंगलवार: आनेवाले रेल बजट में मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प (एमयुटीपी)-1 के लिए रु. 1,374 करोड और एमयुटीपी-2 के लिए रु. 1,700 करोड का प्रावधान किया जाए इस प्रमुख माँग के साथ-साथ और 9 माँगें करनेवाला आवेदन भारतीय जनता पार्टी, मुंबई की ओर से कल 22 जून को नयी दिल्ली में रेल मंत्री सुश्री ममता बैनर्जी को दिया गया. इस माँग पत्र पर भाजपा नेता व पूर्व रेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री. राम नाईक, भाजपा - मुंबई के अध्यक्ष व विधायक श्री. गोपाळ शेट्टी, सांसद प्रा. बाळ आपटे, पूर्व केंद्रिय मंत्री श्रीमती जयवंतीबेन महेता, पूर्व सांसद श्री. किरीट सोमय्या तथा भाजपा - मुंबई के उपाध्यक्ष श्री. रमेश मेढेकर के स्वाक्षांकन है. रेल मंत्री कल नयी दिल्ली में न होने के कारण रेल बोर्ड के सदस्य श्री. श्रीप्रकाश तथा रेल मंत्री के विशेष अधिकारी श्री. गौतम संन्याल से इन माँगो के बारे में सर्वश्री राम नाईक, गोपाळ शेट्टी, प्रा. बाळ आपटे तथा रमेश मेढेकर ने विचार विमर्श किया. श्री. राम नाईक ने मंगलवार को मुंबई में आयोजित पत्रकार परिषद में यह जानकारी दी.

माँग पत्र में निम्नलिखित 11 माँगे सम्मिलित की गयी :-

1. **एमयुटीपी I -** वाजपेयी सरकार ने मुंबई रेल विकास निगम बनाया. इसकेद्वारा मुंबई शहर परिवहन योजना (एमयुटीपी) I के माध्यम से रु.4,174.40 करोड़ की योजनाएं बनायी गयी जो वर्ष 2006 तक पुरी होनी चाहिए थी. मार्च 2009 तक इन सभी परियोजनाओं पर कुल रु.2,800 करोड़ ही खर्च हुए हैं. आनेवाले बजट में इन योजनाओं के लिए रु.1,374 करोड़ का प्रावधान हों और इन सभी योजनाओं को वर्ष 2009-2010 में पूर्ण किया जाए.
2. **एमयुटीपी II -** वर्ष 2008-2009 में रु.5,300 करोड़ की एमयुटीपी II भी बनायी गयी. 31 मार्च 2009 तक इस योजना पर मात्र रु.दस करोड़ खर्च किए गए. नए रेल बजट में एमयुटीपी II के लिए कम से कम रु.1,700 करोड़ का प्रावधान किया जाए तथा यह योजना तीन वर्ष में पूरी हो.
3. **विरार-डहाणू रोड को चौडा करना -** एमयुटीपी -I में रु.50 करोड की लागत से विरार-डहाणू रोड मार्ग को चौड़ा करने की परियोजना को सबसे अधिक प्राथमिकता देनी चाहिए. यह योजना पूर्ण करने से चर्चगेट से सीधे डहाणू रोड तक उपनगरी गाडीयां जा सकेगी. नयी समयसारिणी के अनुसार यह काम जून 2009 में पुरा होना चाहिए था मगर नहीं हुआ है. यह योजना प्राधान्य देकर युध्दस्तर पर पुरी करनी चाहिए.
4. **नयी गाडीयाँ खरीदना -** रु.1,751 करोड़ लागत से बारह डिब्बों की 129 नयी गाडीयों की खरीदारी अब संशोधित समयसारिणी के अनुसार दिसंबर 2009 तक पुरी होनी है. मगर अब तक केवल 51 नयी गाडीयाँ आयी है, इतना ही नही तो इनमें से कई गाडीयों में कुछ ना कुछ खराबी है. बची हुई 78 नयी गाडीयाँ समय पर प्राप्त हो इसलिए विशेष ध्यान दिया जाए.
5. **हार्बर मार्ग -** मध्य रेल की हार्बर लाईन में काफी सुधार करने की जरुरत है. इस मार्ग पर भी बारह डिब्बों की तथा जलद गाडीयाँ चले इसलिए प्रावधान करना चाहिए.

6. **वसई-पनवेल शटल सेवा -** वसई-दिवा-पनवेल शटल गाडीयों की संख्या बढानी चाहिए. साथही साथ यह गाडीयाँ वसई की जगह विरार से चलायी जाए. इससे डहाणू रोड से आनेवाले यात्रियों का विरार और वसई में दो बार गाडी बदलनी नहीं पडेगी.
7. **लेडीज् स्पेशल गाडीयाँ -** पश्चिम रेलवे पर महिला यात्रियों के लिए (लेडीज् स्पेशल) चलनेवाली एक गाडी को महिला यात्री ज्यादा संख्या में यात्रा नहीं करती ऐसा गलत प्रचार कर बंद किया गया है. पश्चिम तथा मध्य रेलवे पर सुबह तथा शाम के भीड के समय में महिलाओं के लिए अतिरिक्त एक-एक विशेष गाडी चलायी जाएँ.
8. **कोंकण रेलवे -** पश्चिम रेलवे पर बोरीवली से डहाणू रोड तक जनसंख्या में काफी वृध्दी हुई है. इस क्षेत्र के यात्रिओं की सुविधा के लिए बोरीवली से वसईद्वारा कोंकण, गोवा, कर्नाटक के लिए गाडीयाँ शुरु की जाएं.
9. **यात्री किराया -** पिछले दो रेल बजटों में द्वितीय श्रेणी से यात्रा करनेवाले यात्रियों का किराया घटाया गया. मगर कुल 1.20 करोड़ दैनंदिन यात्रियों में से 95 लक्ष (78 प्रतिशत) यात्री जो मुंबई, कोलकाता तथा चेन्नई की उपनगरी रेल से यात्रा करते हैं उन्हे कोई राहत नहीं दी गयी. यह सौतेला व्यवहार बंद कर इन यात्रियों के किराए में भी कटौती करनी चाहिए.
10. **यात्रियों से संवाद -** मुंबई के यात्री संगठन कई और सुझाव देना चाहेंगे. इसलिए रेल मंत्री मुंबई आकर यात्री संगठनों से संवाद करें.
11. **बमविस्फोटपीडितों के लिए जनता दरबार -** पश्चिम रेलवे पर वर्ष 2006 में हुई बम विस्फोट शृंखला में कई यात्री मारें गए तथा अनेक घायल भी हुए. इनमें से कईयों को राहत मिली. मगर अब भी कुछ मामलों में निर्णय नहीं हुए हैं. बमविस्फोटपीडितों के लिए भी मुंबई आकर रेल मंत्री जनता दरबार आयोजित करें .

रेल मंत्री सुश्री ममता बैनर्जी मुंबई के यात्रियों को राहत देगी ऐसी अपेक्षा भी श्री. राम नाईक ने प्रेस वार्तालाप में जतायी.

(कार्यालय मंत्री)